विदेश से मेडिकल डिग्री पाने वालों की राह कुछ आसान हुई

इन डॉक्टरों को अब ''स्क्रीनिंग टैस्ट'' नहीं देना होगा, हिन्दुस्तान में प्रैक्टिस करने के लिये

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। स्वास्थ्य मंत्रालय कुछ और विदेशी ख्यातनाम कॉलेजों से मेडिकल की डिग्री प्राप्त विद्यार्थियों को स्क्रीनिंग टेस्ट की अनिवार्यता से छूट देने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। यह छूट विदेशों से प्राप्त उन उच्च योग्यताधारी विद्यार्थियों को प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है जिन्हें भारत में प्रेक्टिस करने से पूर्व मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से लाइसेंस लेना पड़ता है।

यह रियायत उन डॉक्टरों को मिलेगी जो, विदेश के ''जाने-माने'' मेडिकल कॉलेजों से डिग्री प्राप्त करके देश लौटे हैं। मंत्रालय इन जाने-माने देशों की सूची प्रकाशित करेगा।

यह छूट उन विद्यार्थियों को पहले से ही उपलब्ध है जो युनाइटेड स्टेट्स, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, ब्रिटेन तथा न्यूजीलैण्ड के विख्यात कॉलेजों से डिग्रियां प्राप्त कर रहे हैं। इस सूची में नेपाल, बांगलादेश, श्रीलंका व मॉरीशस के प्रसिद्ध कॉलेजों को भी जोड़े जाने की संभावना है। इनके अलावा अन्य के देशों के मामले में स्क्रीनिंग परीक्षा लेना जारी रहेगा।

इस छूट के दो लाभ होंगे। प्रख्यात महाविद्यालयों के द्वारा प्रदत्त डिग्रियों को मान्यता देने से विद्यार्थी इन कॉलेजों को चुन सकेंगे, और गुमराह होकर फर्जी कॉलेजों में प्रवेश लेने से बच जाएंगे। इसके अतिरिक्त, इससे देश में डॉक्टरों की कमी भी दूर होगी। विदेश स्थित जिन कॉलेजों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रदूत Tue, 30 August 2016
epaper.rashtradoot.com/c/12850478

विदेशों से मेडिकल डिग्री लेने वालों की राह आसान

राहत

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

केंद्र सरकार मेडिकल की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले छात्रों को राहत प्रदान कर सकती है। सरकार विदेशों में उच्च गुणवत्ता वाले कॉलेजों को मान्यता देने और यहां से पढ़ाई कर आने वालो छात्रों को स्क्रीनिंग टेस्ट छूट देने की योजना पर कार्य कर रही है।

मौजूदा नियमों के तहत केवल अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा से मेडिकल की पढ़ाई कर आने वाले छात्रों को स्क्रीनिंग परीक्षा नहीं देनी पड़ती। इनके अलावा बाकी देशों से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों को भारत में प्रैक्टिस करने से पहले स्क्रीनिंग परीक्षा पास करनी होती है। इसके बाद ही एमसीआई उन्हें इलाज करने की इजाजत देती है।

दोहरा फायदा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव (चिकित्सा शिक्षा) ए. रिजवी के अनुसार योजना के अमल से दो फायदे होंगे। एक तो सरकार एक तय प्रक्रिया के तहत अच्छे कॉलेजों की पहचान कर उनकी डिग्री को मान्यता प्रदान करेगी और छात्रों को उसकी जानकारी पूर्व में उपलब्ध कराएगी। इससे छात्र इन्हीं कॉलेजों में पढ़ने जाएंगे और गुमराह होने से बचेंगे।

दस हजार छात्र हर साल विदेशी डिग्री लेते हैं

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अभी विदेशों से करीब दस हजार छात्र मेडिकल ग्रेजुएट डिग्री लेकर लौट रहे हैं। हालांकि, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा लिए जाने वाले स्क्रीनिंग परीक्षा को सिर्फ ढाई हजार छात्र ही उतीर्ण कर पाते हैं।

अनुसूची दो में सूचीबद्ध होंगे कॉलेज : अधिकारी के मुताबिक विदेशों में जो कॉलेज चिकित्सा शिक्षा के लिए बेहतर पाए जाएंगे उन्हें मेडिकल काउंसिल एक्ट की अनुसूची दो के तहत सूचीबद्ध किया जाएगा। पहले भी यह प्रक्रिया होती थी, लेकिन स्क्रीनिंग टेस्ट रेगुलेशन लागू होने के बाद बंद कर दी गई।

डॉक्टरों की कमी होगी पूरी : सूत्रों के अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय चाहता है कि पड़ोसी देशों के डॉक्टरों को ग्रामीण क्षेत्रों में नियुक्ति के भी मौके दिए जाने चाहिए। इस बारे में विचार-विमर्श की प्रक्रिया शुरू हुई।

हालांकि, मौजूदा नियमों के तहत यदि नेपाल या बांग्लादेश से सरकार कोई डॉक्टर को ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात करती है, तो उसे पहले स्क्रीनिंग टेस्ट पास करना होगा। ऐसे में डाक्टर आने को तैयार नहीं है।

भारतीय छात्रों की स्थिति

एक अध्ययन के अनुसार इस समय भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए 42 देशों के 261 विश्वविद्यालयों या कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं। सबसे ज्यादा छात्र चीन जा रहे हैं। पेश है 2010-2014 के बीच विदेशों से डिग्री लेकर लौटे मेडिकल छात्रों का ब्योरा-

चीन	18,297
रूस	8,378
यूक्रेन	3,781
नेपाल	2,698
कजाखिस्तान	2,070
बेलारूस	1,049
आर्मेनिया	987
ईरान	636
बांग्लादेश	631
किर्गीस्तान	562
फिलीपींस	289
रोमानिया	170
बुल्गारिया	150

चार देशों की डिग्री को मान्यता देने की मांग

कुछ समय पूर्व जब पांच देशों के स्क्रीनिंग टेस्ट से छूट दी गई थी, तो उसके बाद चार और देशों को यह छूट देने की मांग उठी। इनमें नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका तथा मॉरीसश शामिल हैं।

में चादर च

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट
हाजी अली दरगाह में म
पर लगी रोक हटाने
रविवार को भूमाता ब्रिगे
तृप्ति देसाई चादर चढ़ा

तृप्ति ने इसके साथ
अब वह केरल के सब
महिलाओं के पूजा के
संघर्ष करेंगी।

तृप्ति देसाई ने हाजी
पत्रकारों से बातचीत में
जब हम यहां आए
हाईकोर्ट में अपने पक्ष म
मांगी थी। **(एजेंसी)**

मांसाहारी
फ्लैट देने

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्म
के एक पार्षद ने शुक्र
शिकायत दर्ज करा
मांसाहारी होने के का
कंपनी ने उसे फ्लैट
दिया। हालांकि निर्मा
आरोपों को खारिज कि

दादर इलाके से
महानगरपालिका (
संतोष धुरी ने श्रीधाम
पुलिस में शिकायत क
दर्ज करने का आग्रह

रिपोर्ट
...नलोड
...मियां

...ढेर सारी खामियां

... आधार से लिंक नहीं

...रकार कहती है अंगूठा ही
...पका बैंक है। लेकिन भीम
...भी आधार नंबर से लिंक नहीं
...ता है। यह मोबाइल नंबर को
...रीफाई करता है। सिक्यूरिटी भी
...वल चार अंकों की पिन से होती
... जबकि पेटीएम जैसे एप फिंगर
...ट से सिक्यूरिटी देने लगे हैं।

...र
...ट
...र्ना
...।

...में
...।
...ते
...भी
...र

7 नोटिफिकेशन

इस एप में जो भी नए फीचर जोड़े जाते हैं एप पर उसका नोटिफिकेशन नहीं मिलता। वहीं एप डाउनलोड के बाद अकाउंट सेटिंग के लिए 1.5 रुपए कटते हैं।

दूसरे एप- पेटीएम से लेकर फ्री चार्ज तक सभी यूजर को नोटिफिकेशन भेजते हैं। वहीं वे फ्री में ही

हमारी परीक्षा पास नहीं, लेकिन विदेशी डिग्री से बन जाएंगे डॉक्टर

दीपक आनंद | नई दिल्ली

विदेश से डॉक्टरी पढ़कर आने वाले छात्र अब बिना किसी परीक्षा के देश में प्रैक्टिस शुरू कर पाएंगे। इसके ठीक उलट, देशी संस्थानों से एमबीबीएस करने वाले छात्रों को नेशनल एग्जिट टेस्ट (नेक्स्ट) पास करना जरूरी होगा। एक ही पढ़ाई, एक ही डिग्री, लेकिन अलग-अलग प्रावधानों को लेकर विरोध शुरू हो गया है। हैरानी यह है कि विदेशी डिग्री लेकर आने वाले छात्रों के लिए जहां पहले से चल रही एकमात्र परीक्षा को भी खत्म कर दिया गया है, वहीं देश में ही रहकर करीब 14 परीक्षाएं (एमबीबीएस के दौरान) पास कर डॉक्टर बनने वाले छात्रों पर एक और नई परीक्षा का बोझ लाद दिया गया है। द इंडियन मेडिकल काउंसिल (अमेंडमेंट) बिल-2016 के ड्राफ्ट को जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। विरोध की तीन बड़ी वजह सामने आ रही है। पहली- रूस, जर्मनी और चीन सहित कई देशों के संस्थानों में बिना एंट्रेंस टेस्ट एडमिशन दे दिया जाता है। यानी बिना एंट्रेस दिए विदेशी डिग्री धारक छात्र बिना किसी एग्जिट टेस्ट के प्रैक्टिस कर सकेंगे। दूसरी- अब तक विदेशी डिग्री वाले छात्रों को फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन देना पड़ता है। इसके बाद ही वे देश में प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं। पिछले तीन सालों में सिर्फ 19% छात्र ही इसे

वुमन बिग बैश लीग में...

पैसे नहीं थे... बैट से खेल...

गौरव मारवाह | चंडीगढ़

हरमंदर सिंह भारी-भरकम बल्ले को काट...
कर रहे थे। पैसे नहीं थे कि पांच साल की बे...
बैट खरीदें। खुद क्लर्क की प्राइवेट नौकरी
बेटी के सपने को जीवित रखना चाहते
बहुत थीं लेकिन बेटी को तो बस खेल
जुनून ही ऐसा था। यह कहानी है कि अभी...
वुमन बिग बैश लीग खेल रही 27 वर्षीय...
हरमनप्रीत कौर की। वे भारतीय महिला...
स्टार खिलाड़ी हैं और बिग बैश लीग...
पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी। वे...
क्रिकेटर टीम की कप्तान भी रही हैं।

मोगा छोटा शहर और उसमें भी...
दुनेके। साथ खेलने के लिए लड़कियां...
तो हरमनप्रीत ने लड़कों के साथ ही प्रैक्टि...
कर दिया। उन्हीं के बीच अपने खेल को
हरमंदर सिंह कहते हैं कि तीन भाई-बहनों...
हरमनप्रीत की कहानी देश की दूसरी खिला...
अलग है। न तो उनके पास खेलने का मा...
ही साथी। लड़कों के साथ गली में क्रिके...
की। वो भी उस माहौल में जहां अपशब्द...
लड़के खेल में अपशब्द कहते। मैंने उसे...
कान बंद रखकर शॉट्स से जवाब देने...
रुकी नहीं और अपने कद से लंबे बल्ले से...
रहीं। वे घर में सबसे बड़ी थीं, मां खेलने...
मैंने कभी मना नहीं किया। हरमन की टीच...
को लेकर बातें सुनने को मिलतीं। इसके...
उसे रोका नहीं। वे बताते हैं कि जब वो पै...
पहले हमने उसे जो टीशर्ट पहनाई उसपर...
हुआ था। हमने यह टी-शर्ट आज तक...
है। लेकिन हमने ये नहीं सोचा था कि यह
दिन बेस्ट बैट्सवुमन में बदल जाएगी। बै...
...टी-शर्ट से कई किस्से जुड़े हुए